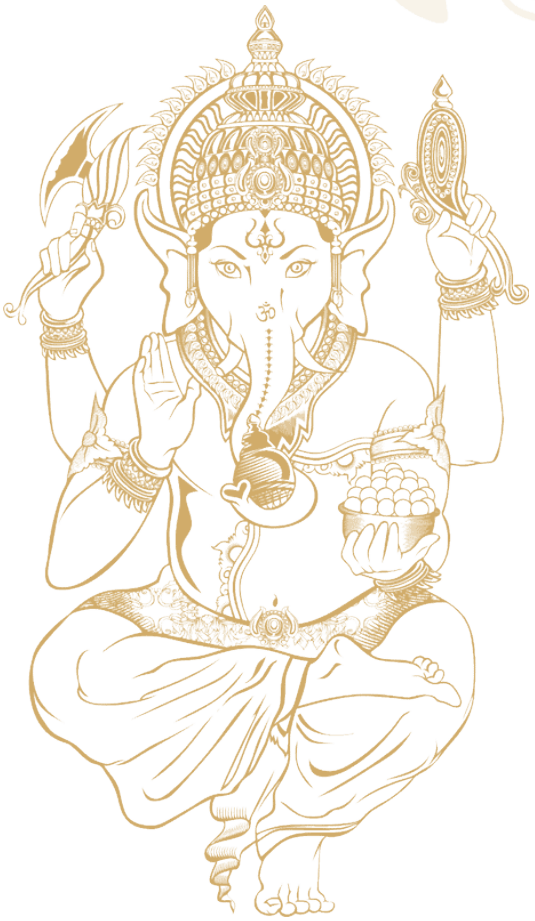

Jatin

Harsha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121944605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/05/1995	जन्म तिथि	26-27/12/1996
शनिवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 17:20:00	जन्म समय	02:15:59 घंटे
घटी 29:39:26	जन्म समय(घटी)	47:39:17 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:13	सूर्योदय	07:12:16
19:06:48	सूर्यास्त	17:31:31
23:47:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:55

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 5मा 19दि		13:11:32	तुला	लग्न	तुला	06:14:10	शनि 18वर्ष 0मा 23दि	
गुरु		05:12:48	वृष	सूर्य	धनु	11:33:36	बुध	
07/11/2020		22:42:24	मक	चंद्र	कर्क	03:59:21	20/01/2015	
07/11/2036		03:55:10	सिंह	मंगल	कन्या	03:37:48	20/01/2032	
गुरु	26/12/2022	23:58:08	वृष	बुध व	धनु	24:31:19	बुध	18/06/2017
शनि	09/07/2025	18:13:13	वृश्चि व	गुरु	मक	00:10:26	केतु	15/06/2018
बुध	15/10/2027	10:28:18	मेष	शुक्र	वृश्चि	18:12:40	शुक्र	15/04/2021
केतु	19/09/2028	29:11:26	कुंभ	शनि	मीन	07:17:06	सूर्य	19/02/2022
शुक्र	21/05/2031	11:35:33	तुला व	राहु व	कन्या	09:07:57	चन्द्र	22/07/2023
सूर्य	09/03/2032	11:35:33	मेष व	केतु व	मीन	09:07:57	मंगल	18/07/2024
चन्द्र	09/07/2033	06:35:07	मक व	हर्ष	मक	09:10:28	राहु	04/02/2027
मंगल	15/06/2034	01:37:14	मक व	नेप	मक	02:49:36	गुरु	12/05/2029
राहु	07/11/2036	05:26:21	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:23:40	शनि	20/01/2032

लग्न-चलित

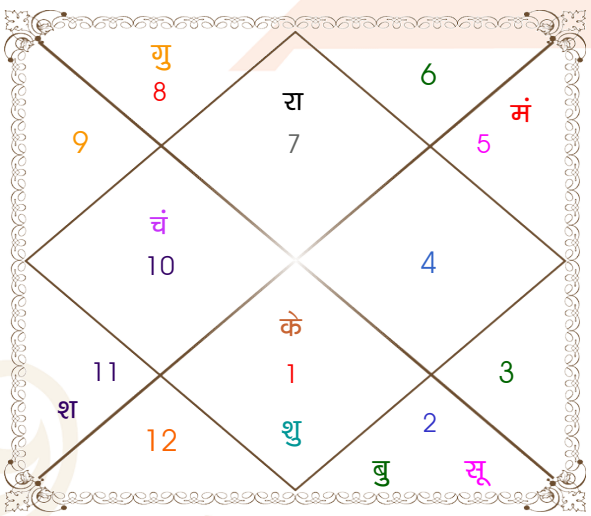

लग्न-चलित

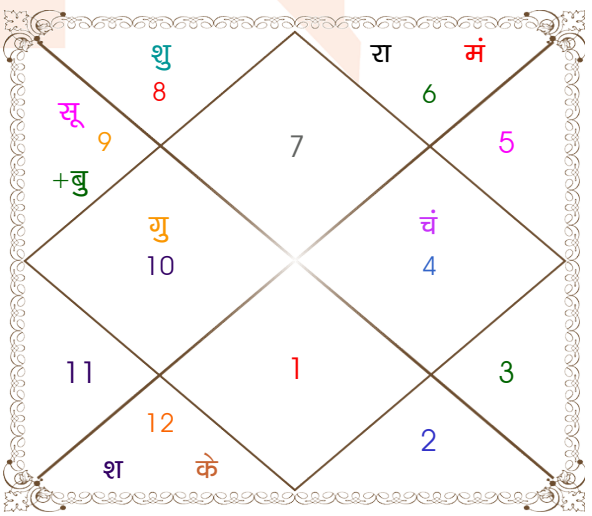

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Jatin का वर्ग मार्जार है तथा Harsha का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jatin और Harsha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jatin मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Harsha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Harsha कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Harsha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jatin कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jatin तथा Harsha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।